Skill Development Programme

For Answer Writing

Env. & Eco. (Model Answer)

DATE : 06-July-2018 **TIME : 03:15 PM**

मुख्य परीक्षा

प्र. भारतीय शहरों की कई पर्यावरणीय समस्याओं को देखते हुए जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय योजना (NAPCC) के अंतर्गत आने वाला राष्ट्रीय सतत् आवास (शहरी) मिशन को बताएं। साथ ही यह भी उल्लेखित करें कि इसे सफल बनाने हेतु सरकार द्वारा कौन-कौन से प्रयास सुझाए गए हैं? (250 शब्द, 15 अंक)

Explain National Mission on sutainable Habitats (Urban) under the National Action Plan of Climate Change (NAPCC) in view of the many environmental problems of Indian cities. Also, mention the measures recommended by the government to make it successful.

(250 Word, 15 Marks)

MODEL ANSWER

मुख्य बिन्दु

- भूमिका में पहले पर्यावरणीय समस्याओं को बताएं।
- अगले पैरा में सरकार द्वारा सुझाए गए प्रयासों को स्पष्ट करें।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

उत्तर- देश के शहरी मामलों के मंत्रालय ने राष्ट्रीय सतत आवास (शहरी) मिशन आरम्भ किया हैं, जिसका उद्देश्य ऐसे शहरों का विकास करना है, जहाँ सतत आवास, परिवहन के सतत माध्यम, अपशिष्ट प्रबंधन की सतत प्रणाली और प्राकृतिक संस्थाओं का सतत प्रयोग हो रहा है।

भारतीय शहरों की कई पर्यावरणीय समस्याएं देखी गई हैं। जैसे- प्रदूषण, अपशिष्ट प्रबंधन न होना, प्राकृतिक संसाधनों का अतिदोहन, भूमि का गलत प्रयोग, आर्द्रभूमियों को नष्ट करना और शहरों को हीट आइलैण्ड में बदल देना। इस मिशन के कुछ भाग हैं-

- ECBC के अंतर्गत सतत आवासों का निर्माण
- जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण
- शहरी अपवाह तंत्र को बेहतर करना जिससे शहरी बाढ़ को रोकना
- नगर निकाय के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को सुधारना जिसमें Land Fall Site व कम्पोस्ट खाद बनाना शामिल है।

सरकार द्वारा किए गए प्रयास-

- देश के कई शहरों में मेट्रो रेल को बढ़ावा दिया जाना।
- सार्वजनिक परिवहन में कई तकनीकी विकास करना। जैसे- पॉड टैक्सी, मेट्रिनो पॉड, हाइपर लूप आदि।
- देश में विद्युत चालित वाहनों को बढ़ावा देने के लिए फेम इण्डिया (FAME INDIA) कार्य प्रारम्भ किया गया।
- राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोविलिटी मिशन।
- बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम को बढ़ावा दिया जाना।

निष्कर्ष :

इन प्रयासों के चलते हम राष्ट्रीय सतत आवास मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त कर पाएंगे, जिसके लिए सामुदायिक भागीदारी भी आवश्यक है तथा इससे सभी प्रकार के प्रदूषण से निपटने की प्रक्रिया है।

* * *